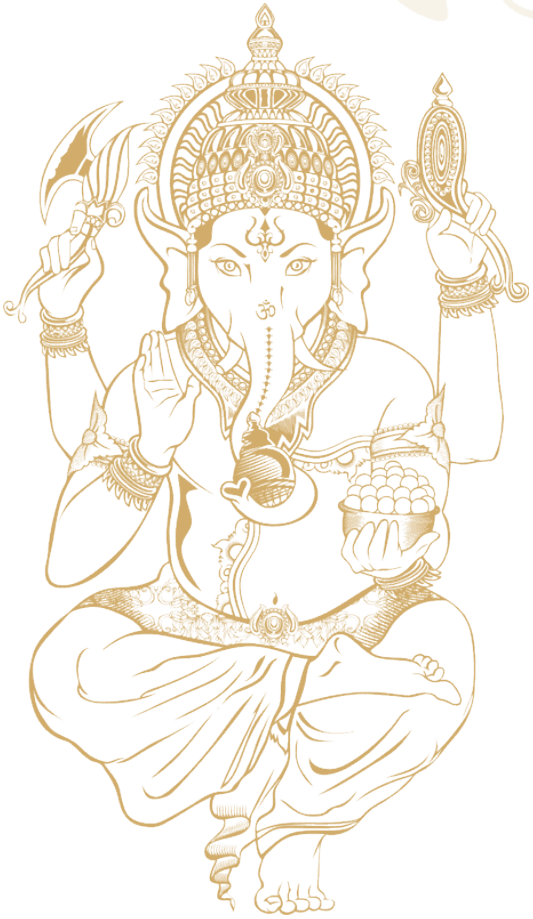

Mahendra kumar panwar

06 Jun 2003

10:55 AM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121029702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/06/2003**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:55:00 घंटे**
इष्ट	12:35:39 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:10:40 घंटे
वेलान्तर	00:01:27 घंटे
साम्पातिक काल	03:07:33 घंटे
सूर्योदय	05:52:44 घंटे
सूर्यास्त	19:33:14 घंटे
दिनमान	13:40:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:13:21 वृष
लग्न के अंश	27:39:58 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:39:58	315:45:08	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			वृष	21:13:21	00:57:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	00:53:20	13:12:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	01:09:31	00:28:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			मेष	27:15:54	01:06:54	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु			कर्क	19:40:51	00:09:29	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	01:19:40	01:12:59	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			मिथु	06:22:26	00:07:38	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:27:59	00:01:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:27:59	00:01:26	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:55:09	00:00:03	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:09:58	00:00:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:48:01	00:01:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मेष	25:26:06	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:03

लग्न-चलित

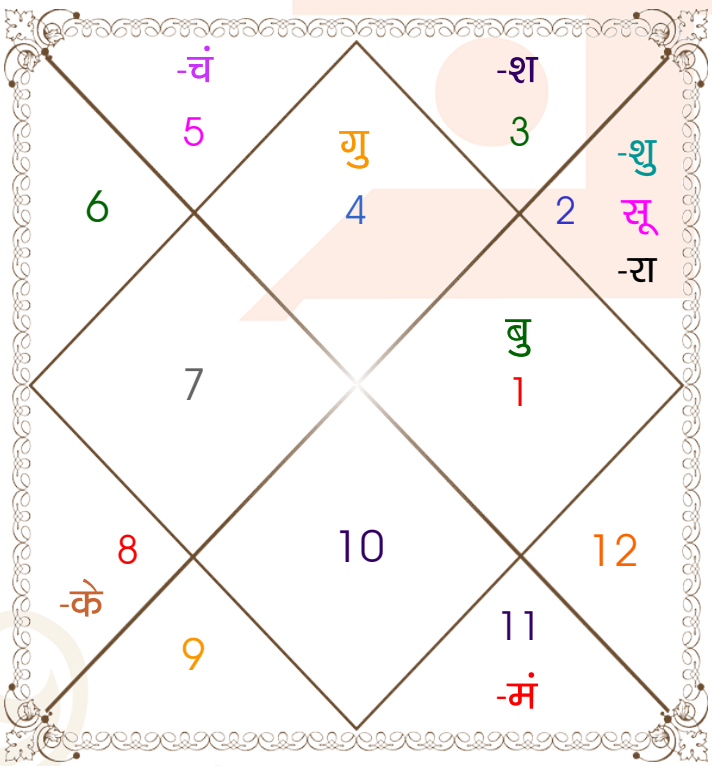

चन्द्र कुंडली

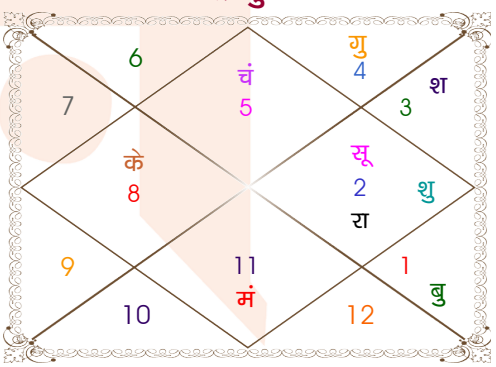

नवमांश कुंडली

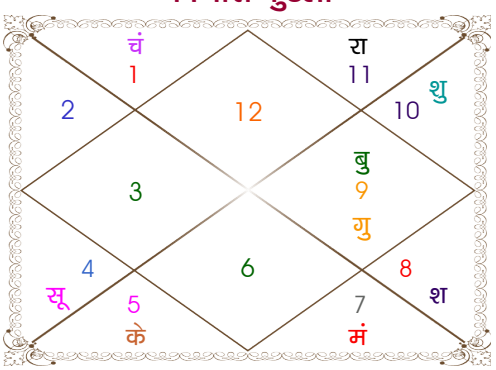

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 6 मास 12 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/06/2003		17/12/2009		17/12/2029		18/12/2035		17/12/2045	
17/12/2009		17/12/2029		18/12/2035		17/12/2045		17/12/2052	
	06/06/2003	शुक्र	18/04/2013	सूर्य	06/04/2030	चंद्र	17/10/2036	मंगल	15/05/2046
शुक्र	15/07/2004	सूर्य	18/04/2014	चंद्र	05/10/2030	मंगल	18/05/2037	राहु	03/06/2047
सूर्य	20/11/2004	चंद्र	18/12/2015	मंगल	10/02/2031	राहु	17/11/2038	गुरु	09/05/2048
चंद्र	21/06/2005	मंगल	16/02/2017	राहु	05/01/2032	गुरु	18/03/2040	शनि	18/06/2049
मंगल	17/11/2005	राहु	17/02/2020	गुरु	23/10/2032	शनि	17/10/2041	बुध	15/06/2050
राहु	05/12/2006	गुरु	18/10/2022	शनि	05/10/2033	बुध	19/03/2043	केतु	11/11/2050
गुरु	11/11/2007	शनि	17/12/2025	बुध	12/08/2034	केतु	18/10/2043	शुक्र	11/01/2052
शनि	20/12/2008	बुध	17/10/2028	केतु	17/12/2034	शुक्र	18/06/2045	सूर्य	18/05/2052
बुध	17/12/2009	केतु	17/12/2029	शुक्र	18/12/2035	सूर्य	17/12/2045	चंद्र	17/12/2052

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/12/2052		17/12/2070		17/12/2086		18/12/2105		18/12/2122	
17/12/2070		17/12/2086		18/12/2105		18/12/2122		00/00/0000	
राहु	30/08/2055	गुरु	04/02/2073	शनि	20/12/2089	बुध	16/05/2108	केतु	17/05/2123
गुरु	23/01/2058	शनि	18/08/2075	बुध	29/08/2092	केतु	13/05/2109	शुक्र	07/06/2123
शनि	29/11/2060	बुध	23/11/2077	केतु	08/10/2093	शुक्र	13/03/2112		00/00/0000
बुध	18/06/2063	केतु	30/10/2078	शुक्र	08/12/2096	सूर्य	17/01/2113		00/00/0000
केतु	06/07/2064	शुक्र	30/06/2081	सूर्य	20/11/2097	चंद्र	19/06/2114		00/00/0000
शुक्र	06/07/2067	सूर्य	18/04/2082	चंद्र	21/06/2099	मंगल	16/06/2115		00/00/0000
सूर्य	30/05/2068	चंद्र	18/08/2083	मंगल	31/07/2100	राहु	02/01/2118		00/00/0000
चंद्र	29/11/2069	मंगल	24/07/2084	राहु	07/06/2103	गुरु	09/04/2120		00/00/0000
मंगल	17/12/2070	राहु	17/12/2086	गुरु	18/12/2105	शनि	18/12/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 6 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।